



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

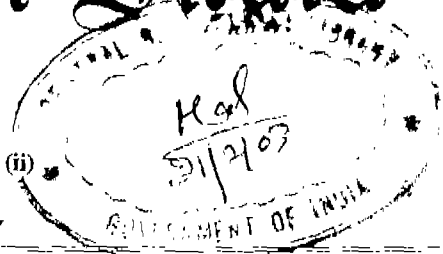
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 771]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 28, 2002/भाद्र 6, 1924

No. 771]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 28, 2002/BHADRA 6, 1924

शहरी विकास और गरीबी उपशमन मंत्रालय

(दिल्ली प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 2002

**का.आ. 917(अ).**—यतः दिल्ली में बनाए जाने वाले सार्वजनिक भवनों में अपंग/अशक्त व्यक्तियों के लिए अवरोध मुक्त परिसर सुलभ किया जाना सुनिश्चित करने हेतु भवन उप-नियम, 1983 में उपयुक्त प्रावधान करने का मामला सरकार के विचाराधीन रहा है।

यतः, इस बारे में केन्द्र सरकार ने भवन उप-नियम, 1983 में निम्नलिखित जिन उपांतरणों/परिवर्द्धनों को करने का प्रस्ताव किया था वे दिनांक 26 मार्च, 2002 की सार्वजनिक सूचना द्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किए गए और 4 अप्रैल, 2002 के प्रमुख समाचार पत्रों में विज्ञापित किए गए थे। कुल 7 आपत्तियां/सुझाव प्राप्त हुए और उनकी त्वरित एवं यथामित्योक्तियोग संगठन के मुख्य नियोजक की अध्यक्षता में एक समिति द्वारा जांच की गई।

यतः, रिपोर्ट की व्यापक समीक्षा के बाद केन्द्र सरकार ने भवन उप-नियम, 1983 में निम्नलिखित उपांतरण/परिवर्द्धन करने का निर्णय लिया है।

अतः, अब केन्द्र सरकार दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 के खंड 11क के उप-खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भवन उप-नियम, 1983 में, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एतद्वारा निम्नलिखित उपांतरण/परिवर्द्धन करती है।

**उपांतरण**

अपंग-अशक्त व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक भवनों में अवरोध मुक्त आवागमन की व्यवस्था करना।

**2. परिभाषाएं**

**2.91 पैदल न चल पाने की अशक्तताएं :** ऐसी अशक्तताएं, जो किसी कारण या दुर्घटना से हुई हों, जिससे व्यक्ति व्हीलचेयर के आश्रित हो।

**2.92 अंशतः पैदल चल पाने की अशक्तता :** ऐसी अशक्तताएं, जिससे व्यक्ति कठिनाई से अथवा असुरक्षित चल सके। छड़ी या बैसाखी के सहारे चलने वाले छिन्नांग, गठिया ग्रस्त, लकवाग्रस्त व्यक्ति तथा फुफ्फुस ग्रस्त या दिल के मरीज इस श्रेणी में आते हैं।

**2.93 श्रवण अशक्तताएं (या बहुरापन) :** बहुरापन अथवा कम सुनाई देना जिससे कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित महसूस करे क्योंकि यह बातचीत करने अथवा चेतावनी सिग्नल सुनने में असमर्थ होता है।

**2.94 दृष्टिजन्य अशक्तता (दृष्टिहीनता) :** पूर्ण अंधता अथवा जगजोर दृष्टि चित्तसे व्यक्त सार्वजनिक क्षेत्रों में असुरक्षित महसूस करे अथवा उसके दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका हो।

**2.95 पहिचेदार कुर्सी (व्हील चेयर) :** अशक्त व्यक्तियों द्वारा आवागमन के लिए प्रयुक्त चल कुर्सी।

(i) छोटी व्हील चेयर का आकार : 750 × 1050 मि.मी.

(ii) बड़ी व्हील चेयर का आकार : 800 × 1500 मि.मी.

### 30.0 अशक्त व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक भवनों में सुविधाओं की व्यवस्था

**30.1 दायरा :** ये उप-नियम आम जनता के उपयोग के सभी भवनों, मनोरंजन क्षेत्रों, जनोपयोगी सुविधा क्षेत्रों पर लागू हैं। ये निजी रिहायशी मकानों पर लागू नहीं होते।

**30.1.1 स्थल विन्यास :** सड़कों, प्रवेश मार्गों तथा वाहन पड़ाव (पार्किंग स्थलों) की भूमि के स्तर का विन्यास नक्शों में सामग्री विशिष्टियों सहित उल्लेख किया जाएगा। प्रत्येक भवन में अशक्त व्यक्तियों के आने-जाने के लिए मुख्य प्रवेश/निकास तक कम से कम एक आसान मार्ग अवश्य बनाया जाएगा, जो समुचित संकेतों से युक्त होगा। यह प्रवेश मार्ग सीढ़ीदार मार्ग के साथ ढलानदार होगा। ढलान पर प्रत्येक नौ मीटर के बाद और प्रवेशद्वार के सामने एक ठहराव स्थल रखा जाएगा। ठहराव स्थल का आकार कम से कम 1000 × 2000 मि.मी. होगा।

#### 30.1.2 प्रवेश पथ/पैदल पथ

परिसर प्रवेश स्थल से तथा भूतल पार्किंग स्थल से भवन द्वार तक प्रवेश पथ कम से कम 1800 मि.मी. चौड़ा होगा, जो बिना सीढ़ी के समतल होगा। यदि कोई ढलान हो तो उसकी ढाल (नति) 5% से अधिक नहीं होगी। फर्श सामग्री ऐसी चुनी जाएगी जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को आकर्षित कर सके या उनका मार्गदर्शन कर सके (अर्थात् फर्श सामग्री ऐसी रंग सजावट चमक वाली होगी जो आस-पास की फर्श सामग्री की तुलना से एकदम अलग हो अथवा ऐसी सामग्री हो, जो दृष्टिहीन, कम दृष्टि वाले व्यक्तियों के मार्ग दर्शन के लिए भिन्न ध्वनि वाली हो) फर्श की परिमज्जा ऐसी होनी चाहिए जिस पर व्हील चेयर न फिसले। जहाँ कहीं मोड़ बनाए जाएं वे सामान्य तल से मिले हुए हों।

#### 30.1.3 पार्किंग (वाहन पड़ाव)

अशक्त व्यक्तियों के वाहन खड़ा करने के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए जाएं :—

- (क) शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों के लिए भवन के प्रवेश द्वार से अधिकतम 30 मीटर की दूरी पर दो कारों के बराबर जगह (ई सी एस) में वाहन पार्किंग की व्यवस्था की जाए।
- (ख) पार्किंग स्थल की चौड़ाई कम से कम 3.6 मीटर होगी।
- (ग) व्हील चेयर वालों के लिए आरक्षित जगह के बारे में सूचना खुले तौर पर लिखी जाए।
- (घ) फर्श सामग्री पथदर्शी हो या फर्श पर दृष्टिहीन व्यक्तियों की सुविधा के लिए श्रवण योग्य संकेतों या समान प्रयोजन वाले अन्य चिन्ह स्थापित किए जाएं।

**30.2 भवन निर्माण अपेक्षाएं :** अपंग/अशक्त व्यक्तियों हेतु भवन में निम्नलिखित विशेष प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी :—

1. फर्श स्तर तक पहुंच मार्ग
2. अपंग व्यक्तियों के लिए प्रवेश द्वार/निकास द्वार को जोड़ते हुए कॉरीडोर
3. सीढ़ी पथ
4. लिफ्ट
5. शौचालय
6. पेयजल

उपर्युक्त सभी सुविधाओं पर ब्रैल संकेत लगाए जाएंगे।

**30.2.1 फर्श स्तर तक पहुंच मार्ग :** भवन में प्रवेश के लिए ऐसी सामग्री से रैंप (ढलान मार्ग) बनाया जाएगा जिस पर फिसलने का डर न हो, रैंप की न्यूनतम चौड़ाई 1800 मि.मी. होगी और रैंप के ऊपर से नीचे तक ढलान का उतार-चढ़ाव अधिकतम 1 : 12 होगा। रैंप की लम्बाई 9.00 मीटर से अधिक नहीं होगी, जिसमें दोनों तरफ 800 मि.मी. की कंचाई पर 300 मि.मी. चौड़ी हैंडरेल होगी जो दीवार से न्यूनतम 50 मि.मी. की दूरी पर होगी।

प्रवेश द्वार का न्यूनतम फाट (विवर्तन) 1000 मि.मी. होगा।

ढलान 12 मि.मी. से अधिक कंची नहीं होगी।

सीढ़ीदार मार्ग में सीढ़ी (पायदान) की चौड़ाई 300 मि.मी. से कम नहीं होगी और अधिकतम ऊँचाई 150 मि.मी. होगी, सीढ़ी मार्ग के दोनों ओर रैंप के समान भी 800 मि.मी. की ऊँचाई पर हैंडरेल (हथपट्टी या पकड़ पट्टी) होगी।

**30.2.2 विकलांगों के लिए प्रवेश/निकास द्वार जोड़ने वाला कारीडोर (गलियारा) :** विकलांगों हेतु प्रवेश/निकास द्वार को जोड़ने वाला कारीडोर जो दरवाजे के बाहर सीधे ऐसी जगह पहुँचता हो जहाँ दृष्टिहीन व्यक्तियों को किन्नी व्यक्ति द्वारा या संकेतों द्वारा भवन विशेष में होने वाले कार्यकलापों की पूरी जानकारी दी जा सके, इस प्रकार बनाया जाएगा:

- (क) कारीडोर पर पथदर्शक फर्श सामग्री या ध्वनिकारक यंत्र लगाया जाएगा ताकि दृष्टिहीन व्यक्ति मार्ग पहचान सकें।
- (ख) कारीडोर की न्यूनतम चौड़ाई 1500 मि.मी. होगी।
- (ग) अगर अममान सतह हो तो 1 : 12 अनुपात की ढलान बनायी जाएगी।
- (घ) ढलान/चढ़ाई पथ पर हथपट्टी (हैंडरेल) लगायी जाएगी।

**30.2.3 सीढ़ी पथ :** ऐसे भवनों में खुले जीने या खड़ी सीढ़ियाँ बनाने की अनुमति नहीं है।

**30.2.4 लिफ्ट :** जहाँ कहीं भवन उप-नियमों के अनुसार लिफ्ट अपेक्षित है वहाँ भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 13 व्यक्ति क्षमता की यात्री लिफ्ट हेतु संस्तुत मार्गों के अनुसार कम से कम एक लिफ्ट व्हीलचेयर प्रयोक्ताओं के लिए बनाई जाएगी, जिसका आंतरिक माप इस प्रकार होगा :—

अबाध आंतरिक ऊँचाई	1100 मि.मी.
अबाध आंतरिक चौड़ाई	2000 मि.मी.
प्रवेश द्वार की चौड़ाई	910 मि.मी.

- (क) नियंत्रण पैनल के निकट फर्शतल से 900 मि.मी. की ऊँचाई पर 600 मिलीमीटर लम्बी एक हैंडरेल लगाई जाएगी।
- (ख) लिफ्ट लांबी की भीतरी पैमाइश 1800 मि.मी. × 2000 मि.मी. या अधिक होगी।
- (ग) लिफ्टों के बाहर ब्रेल संकेत लगाए जाएंगे।
- (घ) लिफ्टों इत्यादि के प्रचालन के बारे में ब्यौरे नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) के अनुरूप होंगे और यह जिम्मेदारी डिजाइनरों तथा निर्माताओं की होगी।

**30.2.5 शौचालय :** विकलांग व्यक्तियों के उपयोग हेतु एक कमोडवास्तु शौचालय (डब्ल्यू सी) होगा जिसमें प्रवेश द्वार के निकट वाशबेसिन होगा।

- (क) शौचालय का न्यूनतम आकार 1500 मि.मी. × 1750 मि.मी. होगा।
- (ख) दरवाजे का न्यूनतम फाट (विवर्तन) 900 मि.मी. होगा और दरवाजा बाहर की तरफ खुलेगा अथवा सरका कर खुलन वाला होगा।
- (ग) शौचालय में दीवार से 50 मि.मी. की दूरी पर खड़ी/समानांतर हैंडरेल लगाई जाएगी।
- (घ) कमोड सीट फर्श तल से 500 मि.मी. ऊँची होगी।

**8.6 शरण स्थल :** किसी भवन को आग लगने की स्थिति में तत्काल खाली किए जाने हेतु सीढ़ियों/लिफ्टों के विकल्प के रूप में अशक्त व्यक्तियों को भवन के अन्दर ही किसी सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया जा सकता है ताकि आग पर नियंत्रण पाने और उसे बुझाए जाने तक या अग्निशमन कर्मियों द्वारा सुरक्षित बाहर निकाले जाने तक, वे वहाँ ठहर सकें।

शरण स्थल का प्रावधान करना उपयोगी है, यह स्थान सामान्यतः प्रत्येक तल पर सीढ़ी पथ की उतराई पर आग से सुरक्षित क्षेत्र होता है जहाँ एक या दो व्हील चेयर आसानी से खड़े किए जा सकते हैं।

- \* इस सीढ़ी पथ का उतराई स्थल फाट 900 मि.मी. होना चाहिए जो धारा 4.6 के अनुसार बनाया गया हो; और
- \* फर्श की सतह से 900 मि.मी. और 1200 मि.मी. की ऊँचाई के बीच अलार्म स्विच लगाया गया हो।

[ सं. के-12016/5/79-डीडी आईए/वीए/आई बी खंड IX(भाग) ]

निशा सिंह, निदेशक (दिल्ली प्रभाग)

## MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT AND POVERTY ALLEVIATION

(DELHI DIVISION)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th August, 2002

S.O. 917(E).—Whereas the issue of making suitable provision in the Building Bye-laws, 1983 to ensure that the public buildings that are erected in Delhi provide barrier free environment for the persons with disabilities has been under the consideration of the Government.

Whereas the following modifications/additions which the Central Government proposed to make in the Building Bye-laws 1983 in this regard were published for the public information vide Public Notice dated 26<sup>th</sup> March, 2002 and were advertised in the leading newspapers on 4<sup>th</sup> April, 2002. In all 7 objections/suggestion were received and they were examined by a Committee under the Convenorship of Chief Planner of Town & Country Planning Organisation.

Whereas after thorough consideration of the report, Central Government has decided to make the following Modifications/additions in the Building Bye-laws, 1983.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11A of Delhi Development Act, 1957, the Central Government hereby make the following Modifications/additions to the Building Bye-laws, 1983 with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

**Modification:** To provide barrier free environment in the public building for **persons with disabilities.**

2. Definitions:
  - 2.91 Non-ambulatory disabilities: Impairments that, regardless of cause or manifestation, for all practical purposes, confine individuals to wheelchairs.
  - 2.92 Semi-ambulatory disabilities: Impairments that cause individual to walk with difficulty or insecurity. Individuals using braces or crutches, amputees, arthrities, spastics and those with pulmonary and cardiac ills may be semi-ambulatory.
  - 2.93 Hearing disabilities: Deafness or hearing handicaps that might make an individual insecure in public areas because he is unable to communicate or hear warning signals.
  - 2.94 Sight disabilities: Total blindness or impairment affecting sight to the extent that the individual functioning in public areas is insecure or exposed to danger.
  - 2.95 Wheel Chair: Chair used by disabled people for mobility
    - (i) Size of Small Wheel Chair: 750 X 1050 mm
    - (ii) Size of Large Wheel Chair: 800 X 1500 mm.
- 30.0 To provide facilities in the public building for the disabled persons.
- 30.1 Scope: These bye-laws are applicable to all building, recreation areas & facilities used by public. It does not apply to private domestic residences.
  - 30.1.1 Site planning: Level of the roads, access paths & parking areas shall be described in the plan along with specification of materials. Every building should have at least one access to main entrance / exit to the disabled which shall be indicated by proper signage. This entrance shall be

approached through a ramp together with stepped entry. The ramp should have a landing after every 9 Metre run and in front of the doorway. Minimum size of landing shall be **1000 X 2000 mm**.

30.1.2 Access path/walk way: Access path from plot entry and surface parking to building entrance shall be minimum of 1800 mm. wide having even surface without any step. Slope, if any shall not have gradient greater than 5%. Selection of floor material shall be made suitably to attract or to guide visually impaired persons (limited to floor material whose colour texture is conspicuously different from that of the surrounding floor material or the material that emit different sound to guide visually impaired persons. Finishes shall have a non-slip surface with texture traversable by a wheel chair. Curbs wherever provided should blend to common level.

30.1.3 Parking: For parking of vehicles of disabled people the following provisions shall be made:

- (a) Surface parking for two Equivalent Car Spaces (ECS) shall be provided near entrance for the physically handicapped persons with maximum travel distance of 30 metre from building entrance.
- (b) The width of parking bay shall be minimum 3.6 metre.
- (c) The information stating that the space is reserved for wheel chair users shall be conspicuously displayed.
- (d) Guiding floor materials shall be provided or a device which guides visually impaired persons with audible signals or other devices which serves the same purpose shall be provided.

30.2 Building requirements: The specified facilities for the buildings for disabled persons shall be as follow:

- 1) Approach to plinth level.
- 2) Corridor connecting the entrance/exit for the handicapped.
- 3) Stair-ways.
- 4) Lift.
- 5) Toilet.
- 6) Drinking water.

Braille signage shall be provided at the above specified facilities.

30.2.1 Approach to Plinth Level: Ramp shall be provided with non-slip material to enter the building minimum clear width of ramp shall be 1800 mm with maximum gradient 1:12, between top and bottom of the ramp. Length of ramp shall not exceed 9.00 metres having 800 mm high handrail on both sides extending 300 mm beyond the ramp. Minimum gap from the adjacent wall to the handrail shall be 50 mm.

Minimum clear opening for the entrance door shall be 1000 mm.

Threshold shall not be raised more than 12 mm.

For stepped approach, size of tread shall not be less than 300 mm and maximum riser shall be 150 mm. Provision of 800 mm high handrails on both sides of the stepped approach similar to the ramped approach shall be made.

30.2.2 Corridor connecting the entrance/exit for the disabled: The corridor connecting the entrance/exit for handicapped leading directly outdoors to a place where information concerning the overall use of the specified building can be provided to visually impaired person either by a person or by signs, shall be provided as follows:

- (a) Guiding floor materials shall be provided or devices that emit sound to guide visually impaired persons.
- (b) The minimum width shall be 1500 mm.

- (c) In case there is a difference of level, slope ways shall be provided with a slope of 1:12.
- (d) Handrails shall be provided for ramps/slope ways.
- 30.2.3 Stairways: Stairways with open riser & provision of nosing are not permitted in such building.
- 30.2.4 Lifts: Whenever lift is required as per bye-laws, provisions of at least one lift shall be made for the wheel chair user with the following car dimensions of lift recommended for passenger lift for 13 persons capacity by Bureau of Indian Standard.

Clear internal depth	1100 mm
Clear internal width	2000 mm
Entrance door width	910 mm

- (a) A handrail not less than 600 mm long at 900 mm above floor level shall be fixed adjacent to the control panel.
- (b) The lift lobby shall be of an inside measurement of 1800 mm X 2000 or more.
- (c) The Braille signage will be posted outside the lifts.
- (d) Operational details of lifts shall confirm to the National Building Code (NBC) and will be the responsibility of designer as well as manufacturer.
- 30.2.5 Toilets: One special WC in a set of toilet shall be provided for the use of handicapped with essential provision of washbasin near the entrance for the handicapped.
- (a) The minimum size shall be 1500 mm X 1750 mm.
- (b) Minimum clear opening of the door shall be 900 mm and the door shall swing out/sliding type.
- (c) Suitable arrangement for vertical/horizontal handrails with 50 mm clearance from wall shall be made in the toilet.
- (d) The WC seat shall be 500 mm from the floor.
- 8.6 Refuge: An alternative to immediate evacuation of a building via staircases and/or lifts is the movement of disabled persons to areas of safety within a building. If possible, they could remain there until the fire is controlled and extinguished or until rescued by fire fighters.

It is useful to have the provision of a refuge area, usually at the fire protected stair landing on each floor that can safely hold one or two wheelchairs.

- Have doorways with clear opening width of 900 mm and complying with Section 4.6; and
- Have an alarm switch installed between 900 mm and 1200 mm from the floor level.

[No. K-12016/5/79/DDIA/VA/TB Vol. IX (Pt.)]

NISHA SINGH, Director (DD)